अब कैबिनेट की पूर्व मंजूरी अनिवार्य

पीपीए और पीएसए के लिए नीति में महत्वपूर्ण बदलाव

- पारदर्शिता और जवाबदेही सुदृढ़ होगी इस निर्णय से
- दीर्घकालीन बिजली खरीद समझौते अत्यंत महत्वपूर्ण

नवभारत समाचार

भोपाल, 14 मई. मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने निर्णय लिया है कि नये दीर्घकालीन और मध्यकालीन बिजली खरीद समझौते (पीपीए) और बिजली आपूर्ति समझौते (पीएसए) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही लागू किये जा सकेंगे. यह निर्णय शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

अब तक समझौते कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा अनुमोदित किए जाते थे, लेकिन अब सभी नए समझौतों के लिए कैबिनेट स्तर की मंजूरी प्राप्त करने का प्रस्ताव किया गया है. ऊर्जा विभाग और राज्य सरकार पहले से मौजूद लगभग 1,795 छोटे, बड़े एवं लघु तथा दीर्घ अवधि के बिजली खरीद समझौतों और 26,012 मेगावाट की क्षमता के फलस्वरूप वर्तमान में प्रदेश में निर्बाध विद्युत सप्लाई कर रही है. साथ ही मध्यप्रदेश एनर्जी सरप्लस राज्य के रूप में कार्य कर रहा है.

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई ने बताया कि बोर्ड ने गहन विचार-विमर्श के बाद वर्तमान ऊर्जा की उपलब्धता और राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं की वर्तमान एवं भविष्य की व्यवस्था को देखते हुए यह निर्णय लिया है. उन्होंने यह भी बताया कि बोर्ड का यह प्रस्ताव ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के समक्ष रखा जाएगा. उसके बाद मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री की अनुमति प्राप्त करने के लिए भेजा जाएगा.

इस नीति में बदलाव का प्रमुख कारण यह है कि दीर्घकालीन बिजली खरीद समझौते अत्यंत महत्वपूर्ण वित्तीय प्रतिबद्धताएं हैं, जो वर्षों तक सरकार को प्रभावित करती हैं. इसलिए आवश्यक है कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये समझौते राज्य के हित में हो और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करें. एक अन्य कारण यह भी है कि वर्तमान में नई तकनीकी के कारण बायोमास, सोलर बेट्री स्टोरेज, पम्प हाउड्रो स्टोरेज, न्यूक्लियर एनर्जी जैसी कई नई तकनीकों से उत्पादित होने वाली ऊर्जा के अनुबंधों के प्रस्ताव आ रहे हैं, इस बारे में राज्य शासन और वित्त विभाग के परामर्श की आवश्यकता महसूस हो रही है.

मध्यप्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र वर्तमान में अत्यंत मजबूत है और इसमें राज्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है. सौर, पवन, थर्मल और अन्य नवकरणीय ऊर्जा स्रोतों से राज्य की बिजली की जरूरतें पूरी हो रही हैं. यह निर्णय राज्य की बिजली आपूर्ति को स्थिर रखने और भविष्य के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. मध्यप्रदेश सरकार का यह कदम राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर शासन को बढ़ावा देगा. इससे सभी नई बिजली खरीद योजनाएं अधिक सुविचारित और राज्य की ऊर्जा नीति के अनुरूप होगी.

सात वर्षीय बच्ची की हत्या से सनसनी

मुरैना. मध्यप्रदेश में मुरैना जिले के चिन्नौनी थाना क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना चिन्नौनी थाना क्षेत्र के रामलाल के पूरा गांव की है. जिले के कैलारस विकासखंड के ग्राम इटौरा निवासी बलराम जाटव अपनी पत्नी और सात वर्षीय बेटी तनु के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गांव पहुंचे थे. सूत्रों ने बताया कि भात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बलराम अपनी बच्ची के साथ रात में सो गया था. सुबह जागने पर बच्ची बिस्तर पर नहीं मिली. इसके बाद परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से उसकी तलाश शुरू की. तलाश के दौरान गांव के समीप एक गुफानुमा गड्ढे में बच्ची का शव बरामद हुआ. पुलिस के मुताबिक बच्ची के दोनों हाथ बंधे हुए थे और उसके शरीर पर कपड़े सलीके से पहने हुए थे. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए कैलारस भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा.

विकास के साथ सुशासन भी हमारी प्राथमिकता : कुंवर

- कुसमी में नए एसडीएम भवन का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सीधी 14 मई, जिले के कुसमी उपखंड क्षेत्र में गुरुवार को विकास और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई, जब धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने 131 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वसुविधायुक्त नवीन एसडीएम कार्यालय भवन का लोकार्पण किया।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन अब उपखंड क्षेत्र के लगभग 129 गांवों के नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराएगा। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने फीता काटकर भवन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, ग्राम पंचायत भगवार की सरपंच चेतना सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं ब?ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान एसडीएम कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, तहसीलदार नारायण सिंह सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि यह नवीन एसडीएम कार्यालय भवन केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, सुशासन और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों को जर्जर भवन में प्रशासनिक कार्यों के लिए कठिनाइयों का सामना करना प? रहा था, लेकिन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन के शुरू होने से लोगों को सम्मानजनक और व्यवस्थित वातावरण में सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाओं को सरलता और पारदर्शिता के साथ पहुंचाना है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है और आगे भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। विधायक ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि इस नवीन भवन के माध्यम से आम नागरिकों के कार्यों का त्वरित, संवेदनशील और पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारियों के समर्पण से ही शासन की योजनाएं प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचती हैं।करीब 131 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह नवीन भवन पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भवन में अलग-अलग कार्यालय कक्ष, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए पृथक शौचालय, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रतीक्षा कक्ष, अधिकारियों के लिए संचालन कक्ष तथा बेहतर बैठने की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वहीं अग्नि सुरक्षा हेतु फायर सेफ्टी उपकरण भी स्थापित किए गए हैं। सभी कक्षों में पंखे एवं कूलर की व्यवस्था की गई है तथा विधायक द्वारा स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ सिस्टम उपलब्ध कराने की घोषणा भी की गई। उल्लेखनीय है कि अब तक एसडीएम कोर्ट का संचालन पुराने तहसील भवन में किया जा रहा था, जिसकी स्थिति खराब थी। दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को भी कई असुविधाओं का सामना करना प?ता था। नवीन भवन के शुरू होने से यह समस्या समाप्त हो गई है और लोकार्पण के दिन से ही एसडीएम कोर्ट का संचालन नए भवन में प्रारंभ कर दिया गया।

संभागायुक्त ने किया खुटार गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण

2 दिवस में 90 प्रतिशत उठाव और खराब मौसम से सुरक्षा के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा आज खुटार उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर गेहूं खरीदी की व्यवस्थाओं का सघन जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने उपार्जन की वर्तमान गति और केंद्र पर अनाज के भंडारण की स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और परिवहन कर्ताओं को निर्देश दिए कि अगले दो दिवस के भीतर केंद्र से 90 प्रतिशत गेहूं का उठाव अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उठाव की प्रक्रिया में तेजी लाकर ही केंद्र पर किसानों के लिए सुगम व्यवस्था बनाई जा सकती है।

वर्तमान में बदलते मौसम और असामयिक वर्षा की संभावना को देखते हुए उन्होंने गेहूं की सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि उपार्जित गेहूं को भीगने से बचाने के लिए तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए और जल निकासी के उचित प्रबंध किए जाएं, ताकि किसानों की मेहनत की उपज पूरी तरह सुरक्षित रहे। किसानों को तौल कार्य के लिए अधिक समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए कमिश्नर ने केंद्र पर तत्काल प्रभाव से 6 तौल मशीनें पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देशित किया।

कोदो-कुटकी प्रसंस्करण यूनिट का किया निरीक्षण- जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद द्वारा आज ग्राम पंचायत जरहा का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने सिंह देव महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा संचालित कोदो-कुटकी प्रसंस्करण यूनिट का विस्तृत अवलोकन किया।

कमिश्नर ने यूनिट की कार्यप्रणाली को समझा और वहां स्थापित आधुनिक मशीनों के माध्यम से स्थानीय मोटे अनाजों श्री अन्न के प्रसंस्करण की प्रक्रिया देखी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि किस प्रकार पारंपरिक फसलों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनके मूल्य में वृद्धि की जा रही है, जिससे न केवल उत्पादों की गुणवत्ता सुधर रही है बल्कि बाजार में उनकी मांग भी बढ़ रही है।

स्वरोजगार की दिशा में उठाए गए कदम- कमिश्नर ने सिंगरौली जिले के भ्रमण के दौरान ग्राम कर्सुआ राजा का आकस्मिक दौरा किया। यहाँ उन्होंने स्थानीय युवा संदीप शाह द्वारा संचालित मुर्गीपालन फार्म का बारीकी से अवलोकन किया। इस निरीक्षण के दौरान सिंगरौली कलेक्टर और सहायक कलेक्टर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार की दिशा में उठाए गए इस कदम की सराहना की और युवा उद्यमी का उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने फार्म संचालक से मुर्गियों की नस्ल, उनके दाने-पानी, स्वास्थ्य प्रबंधन तथा बाजार में बिक्री की व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अप्राकृतिक कृत्य करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली 14 मई। जिले के सरई थाना क्षेत्र में बारात के दौरान एक व्यक्ति के साथ मारपीट और अप्राकृतिक कृत्य किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार आमझारा निवासी 52 वर्षीय गुलाब सिंह गोंड ने सरई थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह 1 मई को बरका गांव में छविलाल जायसवाल की बारात में शामिल होने गया था। रात करीब एक बजे जयमाला कार्यक्रम के दौरान दूल्हे का भाई श्यामजी जायसवाल उसे बुलाने के बहाने बारात से अलग अंधेरे स्थान पर ले गया। वहां उसके साथ मारपीट की गई और अप्राकृतिक कृत्य किया गया। फरियादी की शिकायत पर सरई थाना पुलिस ने दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) तथा एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला कायम किया।

रेत की चोरी करते पुलिस ने ट्रैक्टर को दबोचा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। सासन चौकी पुलिस ने गड़हरा कन्वेयर बेल्ट के पास घेराबंदी कर काम गांव के पूर्वी टोला म्यार नदी से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को दबोचते हुये जप्त कर लिया है।

सासन पुलिस चौकी प्रभारी संदीप नामदेव के अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बिना नंबर के स्वराज ट्रैक्टर 735 एफई ट्रैक्टर ट्रॉली में ग्राम काम पूर्व टोला म्यार नदी से अवैध रेत लोड कर विक्री करने के लिए ग्राम सिद्धीखुर्द शिवपहाड़ी तरफ आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा ग्राम गड़हरा रिलायंस कन्वेयर रोड पर घेराबंदी कर स्वराज ट्रैक्टर 735 एफई नीले सफेद रंग का ट्राली में बालू लोडकर आते दिखाई देने पर घेरा बंदी कर के ग्राम गड़हरा रिलायंस कन्वेयर रोड पर पकड़ा गया।

जहां चालक अमर अगरिया पिता मोतीलाल अगरिया उम्र 24 वर्ष निवासी झांझी टोला का होना बताया। चालक के पास टीपी नही था। आरोपी चालक के विरुद्ध धारा 303(2),317(5) बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई में उनि संदीप नामदेव चौकी प्रभारी सासन, सउनि एके पाण्डेय, प्रआर अनिल नवेत, आर राहुल सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

बरगवां थाना क्षेत्र के पचौर गांव की घटना, दो दमकलो ने आग पर पाया काबू

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के पचौर गांव में बीते बुधवार की देर रात एक बिजली दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा लाखों रुपये का इलेक्ट्रॉनिक और बिजली संबंधी सामान जलकर राख हो गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, पचौर गांव निवासी जयशंकर गुप्ता की बिजली दुकान में देर रात अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही

स्थानीय कंपनियों की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक दुकान के अंदर रखा अधिकांश सामान जल चुका था। दुकानदार जयशंकर गुप्ता ने बताया कि दुकान में बिजली उपकरण, तार, पंखे और अन्य सामग्री रखी थी, जो पूरी तरह जल गई। इस आगजनी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से आर्थिक सहायता की मांग की है। बरगवां थाना प्रभारी मो. समीर ने बताया कि पचौर गांव की बिजली दुकान में आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल की मदद से आग बुझाई गई। आग लगने के प्रारंभिक कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं और मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित दुकानदार को उचित मुआवजा और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

आवासीय कॉलोनी में फांसी के फंदे पर मिला युवती का शव

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। एनसीएल परियोजना अमलोरी के बी टाइप आवासीय कॉलोनी 190 एचएमएस दफ्तर के समीप में एक युवती का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि अमलोरी परियोजना से वर्ष 2019 में रिटायर्ड हुए शैलेंद्र सक्सेना के क्वार्टर में युवती रह रही थी। स्थानीय लोगों के अनुसार युवती मधु चौहान पिता दुबई चौहान उम्र 34 वर्ष निवासी बेलौहा टोला को बिल्ली की देखरेख करने के लिए कमरे पर रखा गया था। जहां आज गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में उसका शव कमरे के अंदर फांसी पर लटका मिला। घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल आत्महत्या और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद कॉलोनी में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

डेढ़ लाख कीमत के 20 टन कोयला जप्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 टन अवैध कोयला जप्त किया है। जप्त किए गए कोयले की कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

यह कार्रवाई ग्राम समदा और रमपुरवा बॉर्डर स्थित नाले में की गई। पुलिस के अनुसार 13 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि समदा गांव के पीछे नाले में लावारिस हालत में

अवैध कोयला पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद एसपी एवं एएसपी तथा एसडीओपी के निर्देशन में थाना प्रभारी मो. समीर के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान नाले में करीब 20 टन कोयला मिला। पुलिस ने वास्तविक मालिक की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर अवैध खनिज को धारा 106 के तहत जप्त कर लिया। पुलिस अब कोयले के वास्तविक स्वामी की तलाश कर रही है। कार्रवाई में सउनि श्यामबिहारी द्विवेदी, प्रआर सुनील सिंह, संजय यादव और आरक्षक अरविंद यादव की सराहनीय भूमिका रही।

ट्रैक्टर के चपेट में आने से मासूम बालक की मौत

सिंगरौली 14 मई। पुलिस चौकी सासन के काम गांव में मरूम का परिवहन कर रहे एक मासूम बालक खेलते समय ट्रैक्टर टायर के चपेट में आ गया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार काम निवासी अजय पनिका पिता बाबादीन पनिका उम्र 8 वर्ष खेल रहा था कि एक ट्रैक्टर के चपेट में आ गया, जहां उसे उपचार के लिए अस्पाल ले जाया जा रहा था कि उसकी मौत हो गई। बालक के परिजनों के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध करते हुये ट्रैक्टर को जप्त कर चालक की तलाश में जुट गई है।

बिजली करंट लगने से युवक की मौत

निवास पुलिस चौकी क्षेत्र के समीपी महुआ गांव निवासी एक युवक को घर में काम करने वक्त बिजली करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अशोक साहू पिता बाबूलाल साहू उम्र 18 वर्ष निवासी महुआ गांव को घर पर ही लगा अचानक बिजली का करंट लग जाने से घायल अवस्था में परिजनों के द्वारा उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास ले जाया गया, जहां चिकित्सको ने युवक को मृत घोषित कर दिया है।

प्रथम पेज का शेष

खड़गे व राहुल ने दिया दूरगामी संदेश

क्योंकि इस रेस में राहुल गांधी के सबसे वफादार और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे थे. राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि वेणुगोपाल आलाकमान की निजी पसंद थे और उनके पक्ष में अपेक्षाकृत अच्छी संख्या में विधायक भी थे. लेकिन राहुल गांधी ने अपने किसी खास नेता को थोपने के बजाय जमीनी स्तर पर विधायकों, कार्यकर्ताओं और जनता की पसंद रहे सतीशन को तरजीह दी.ऐसा करके उन्होंने संदेश दिया कि पार्टी हित उनकी निजी पसंद से ऊपर है. इतना ही नहीं राहुल ने एक झटके में पर्ची और हाईकमान संस्कृति का अंत करते हुए नेता थोपने का चलन समाप्त किया. इस बड़े कदम से राहुल गांधी ने न केवल केरल में बल्कि देश के अन्य राज्यों के नेताओं को भी यह कड़ा और स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब कांग्रेस में पद गणेश परिक्रमा के बजाय केवल जमीनी संघर्ष और जनसमर्थन के आधार पर मिलेगा. इतना ही नहीं राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस में दशकों तक ओमन चांडी और के. करुणाकरण जैसे दिग्गजों के गुटों के बाद बन रहे नए गुटों को समाप्त कर सतीशन की ताजपोशी के साथ पुरानी गुटीय जकड़न को तोड़कर नए युग के नेतृत्व को आगे बढ़ाया है.जानकार बता रहे हैं कि राहुल गांधी ने केरल, कर्नाटक, तेलंगाना? में अपनी मजबूत सरकार के अलावा तमिलनाडु में नवउदित पार्टी के मुखिया सी जोसेफ विजय को समर्थन देते हुए मुख्यमंत्री बनाने में मदद कर 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए दक्षिण भारत का एक बेहद स्थिर और मजबूत किला तैयार कर भविष्य के लिए एक मजबूत लकीर खींच दी है.गुप्त फीडबैक को महत्ता -बहरहाल, केरल को नए नेतृत्व देने के पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी ने जिस तरह से दो केन्द्रीय पर्यवेक्षकों, नौ पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, सभी नवनिर्वाचित विधायकों तथा सभी जिलाध्यक्षों से गुप्त फीडबैक मंगाकर बहुस्तरीय विमर्श के बाद निर्णय किया है उससे साफ है कि कांग्रेस बहुस्तरीय बदलाव की ओर बढ़ चली है.

जमीनी विवाद में महिला की बेदम पीटाई

- उपचार के दौरान रीवा मेडिकल कॉलेज में हुई मौत, परिजनों ने किया थाने के सामने हंगामा

नवभारत न्यूज

सरई 14 मई। थाना सरई क्षेत्र के भीखाझरिया गांव में 11 मई की सुबह जमीन विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया था। पड़ोसियों के हमले में गंभीर घायल 38 वर्षीय कलावती अगरिया पति बिहारी लाल अगरिया की आज गुरुवार को रीवा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

मौत की खबर के बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण

सैकड़ों की संख्या में सरई थाने पहुंचे। थाने में करीब 2 घंटे तक हंगामा कर आरोपियों पर हत्या की धारा बढ़ाने की मांग की। परिजनों के मुताबिक 11 मई सुबह करीब 6 बजे कलावती का पड़ोसी रामभजन अगरिया से जमीन को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने पर रामभजन और उसके दो साथियों ने कलावती पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए पति बिहारी लाल और बेटी भी घायल हो गए। सिर में गंभीर चोट लगने से कलावती बेहोश हो गई। वहीं घटना के बाद परिजनों ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सरई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल बैढ़न, फिर संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया गया। आज गुरुवार को सुबह इलाज के दौरान कलावती ने दम तोड़ दिया।

हत्या का मामला दर्ज कराने की मांग पर अड़े- महिला की मौत की सूचना गांव पहुंचते ही परिजन और ग्रामीण थाने पहुंच गए। लोगों ने आरोपी रामभजन अगरिया के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। हंगामे के बाद पुलिस ने समझाइश देकर मामला शांत कराया। वहीं सरई थाना प्रभारी जितेन्द्र भदौरिया के अनुसार घटना वाले दिन 11 मई को ही मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया था। मुख्य आरोपी रामभजन अगरिया को हिरासत में ले लिया गया है। पोस्टमार्टम व एमएलसी रिपोर्ट मिलने के बाद धारा 103(1)बीएनएस जोड़ी जाएगी। फिलहाल तनावपूर्ण हालात बने रहे। पुलिस समझाइस देती रही।

तेन्दूपत्ता तोड़ने गई महिला पर जंगली सूअर ने किया अटैक

सिंगरौली 14 मई। माड़ा वन परिक्षेत्र के मुढ़ी जंगल में मंगलवार देर शाम एक महिला पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास तेन्दूपत्ता तोड़ रहे ग्रामीणों ने सूअर को खदेड़ा।

जानकारी के अनुसार ग्राम रम्पा निवासी रायमती शाह पति गीता प्रसाद शाह उम्र 60 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रायमती शाह रोज की तरह जंगल में पत्ती बीनने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे जंगली सूअर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में महिला के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

आयुक्त ने एएनएम एवं पटवारी को निलंबित करने का दिया फरमान

- जन चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए किया प्रेरित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 मई। रीवा संभाग के आयुक्त बीएस जामोद एवं कलेक्टर गौरव बैनल ने बैढ़न क्षेत्र के सबसे दूरस्थ वनांचल पहाड़ी पर स्थित ग्राम उतानीपाठ का भ्रमण किया। इस दौरान शीर्ष अधिकारियों ने बैगा जनजाति एवं स्थानीय ग्राम वासियों से सीधा जन-संवाद किया।

जन-संवाद के दौरान आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि

क्षेत्र के सभी पात्र ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत दिलाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिपं सीईओ जगदीश गोमे, सहायक जिलाधीश सौम्या मिश्रा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जन संवाद में ग्रामीणों ने अपनी गंभीर समस्याएं आयुक्त के समक्ष रखीं, जिस पर उन्होंने तत्काल कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की। ग्रामीणों ने शिकायत की कि ग्राम में गर्भवती महिलाओं और बच्चों की न तो समय पर जाँच होती है और न ही टीकाकरण किया जाता है।

मौके पर मौजूद तीन गर्भवती महिलाओं ने भी टीका न लगने की पुष्टि की, जिस पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सीएमएचओ को संबंधित एएनएम को तत्काल निलंबित करने के निर्देशित किया।

सचिव का वेतन काटने के भी निर्देश- एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि पंचायत सचिव द्वारा ई-केवाईसी पूर्ण न किए जाने के कारण उसे एक वर्ष से दिव्यांग पेंशन नहीं मिली है। आयुक्त ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित पंचायत सचिव के वेतन से कटौती कर दिव्यांग महिला को पेंशन राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए। वहीं पटवारी के लगातार अनुपस्थित रहने की ग्रामीणों की शिकायत पर आयुक्त ने उन्हें भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के बाद आयुक्त एवं कलेक्टर ने ग्राम के अंतर्गत सीएसआरमद से कराए जा रहे तालाबों के गहरीकरण एवं निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान श्जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए आयुक्त ने जल रोको अभियान और जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय जन-भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय जनपद पंचायत नईगढ़ी जिला मऊगंज (म.प्र.)

क्रमांक / 508 / भण्डार/निविदा आमंत्रण/ज.पं./2026 — नईगढ़ी दिनांक 12/05/2026

ऑनलाइन ई-निविदा सूचना

कार्यालय जिला पंचायत रीवा के पत्र क्रमांक/1339/ निर्माण/पंचा./2025 मऊगंज दिनांक 16.05.2025 द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जनपद पंचायत नईगढ़ी में वर्ष 2022-23 की कार्य योजना से समर्सिबल मोटर पम्प क्रय करने एवं जनपद क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायतो के हैण्ड पम्प में स्थापित करने हेतु ऑनलाइन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है :-

निविदा हेतु समय सारिणी

क्र.	विवरण	तिथि व समय
1	ई-टेण्डर प्रकाशन की तिथि	दिनांक 12.05.2026 सायं 05.00 बजे से
2	ई-टेण्डर आंनलाइन जमा करने का आरम्भ तिथि एवं समय	दिनांक 12.05.2026 सायं 05.00 बजे से
3	ई-टेण्डर डाक्यूमेंट डाउनलोड एवं क्रय करने की अंतिम दिनांक एवं समय	दिनांक 01.06.2026 सायं 05.30 बजे तक
4	तकनीकी निविदा खोले जाने का दिनांक एवं समय	दिनांक 03.06.2026 को दोपहर 02.00 बजे
5	तकनीकी रूप से सफल निविदाकारों की वित्तीय निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.06.2026 दोपहर 02.00 बजे

- ई-निविदा प्रपत्र शुल्क 2000/- रू.।
- ई-निविदा हेतु अमानत राशि (EMD) 54000/- रू.।
- निविदा से संबंधित आवश्यक जानकारी बेवसाइड https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत नईगढ़ी
जिला मऊगंज (म.प्र.)